12.08 hrs.

MESSAGE FROM PRESIDENT

MR. SPEAKER: I have to inform the House that I have received following message dated the 1st March, 1982 from the President:

"I have received with great satisfaction the expression of thanks by the Members of the Lok Sabha for the Address which I delivered to both Houses of Parliament assembled together on 18th February, 1982."

(Interruptions)

SHRI HARIKESH BAHADUR (Gorakhpur): Sir, I would like to know whether the External Affairs Minister has been instructed to make a statement regarding the humiliation and insult of the Indian High Commission in Bangladesh.

श्री राजेश कुमार सिंह (फिरोजाबाद) श्रध्यक्ष महोदय, इस का मुल्क के मुफाद से सम्बन्ध है। श्राप इस पर विचार करें।

ग्रथ्यक्ष महोदय : जो भी इमार्टीट बात होती है, उस पर विचार होता है। लोकिन एक ही दिन में सारी बात नहीं हो सकतो।

(व्यवधान)

12.09 hrs.

MATTER UNDER RULE 377

(i) NEED FOR PROVIDING FACILITIES FOR CONSTRUCTION OF SMALL CINEMA HOUSES TO GIVE EMPLOYMENT TO EDU-CATED YOUTH IN WEST BENGAL

SHRI SATYAGOPAL MISRA (Tamluk): Sir, the incidence of large-scale unemployment in West Bengal and the

acute need for opening up new opportunities for gainful work attuned to the inclinations and genius of the local people. In this State, a considerable number of talented young people would like to use their creative energy for the production of films, which also has large employment potential. Unfortunately, such creative ventures get inhibited because of the lack of sufficient outlook. Most of the cinema houses in this State are controlled by a limited number of exhibitors, who are more inclined to cater to the more lurid products coming out of Bombay and other places than to what are produced by local talent. One way tackling the problem would be to encourage the construction of large number of small cinema houses with a seating capacity-not exceeding, say, hundred. Many young people would be willing to build such cinema houses, only provided some of the concessions available to other small-scale industries-including bank finance at concessional rates-are also made available to them.

In this connection, I may draw the attention of the House that the West Bengal Government has sent representations in this matter to the Industry Ministry, but the response has not been encouraging.

Under these circumstances, I urge upon the Government to re-examine the matter and agree to recognise the activity of construction of cinema houses upto a certain specification, a small scale industrial operation.

I demand that the concerned Minister make a statement in the House in this regard.

(ii) NEED FOR PROVIDING EMPLOY-MENT TO THE LANDLESS AND SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES PEOPLE OF DROUGHT AFFECTED AREAS OF MIRZA-PUR, BANARAS AND ALLAHABAD DISTRICTS.

श्री उमाकांत मिश्र (मिर्जापुर) : श्रध्यक्ष महयदय, मिर्जापुर, बनारस, इलाहबाद थे विन्ध्य पवत के दक्षिण के पहाड़ी ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां समय से वर्षा न होने

[श्री उमाकांत मिश्र]

के कारण आंशिक सूखे की स्थित है खेति-हर मज़दूरों, ग्रादिवासियों, हरिजनों के लिए रोजगार का स्रभाव हो गया है। रोजगार न मिलने के कारण इन क्षेत्रों के कई हजार लोग जीविका की तलाश में गांव छोड़ कर दर-दर भटक रहे हैं। उनके लिए परिवार का भरण-पोषण कठिन हो गया है । मिर्जापुर में हलिया, लालगंडा मड़िहान, घोरावल, राबर्ट्सगंज, नगवा, चतरा, पोपन ग्रादि ब्लाक, बनारस में नोगड़, बिकया ब्लाक, इलाहाबाद में मांडा, कोरांव ब्लाक में तत्काल राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के ग्रन्तर्गत बंधियों, नहरों, सड़कों, पुल-पुलियों, स्कूल भवनों म्रादि का निर्माण-कार्य तेजी से प्रारम्भ कराए जाने की ग्रावश्यकता है, जिससे उक्त क्षेत्र के ग्रामीण मजदूरों को रोजगार मिल सके तथा साथ-साथ उपयोगी निर्माण कार्य भी सम्पन्न हो सकें। ग्रन्यथा उक्त क्षेत्रों में मुखमरी की स्थित उत्पन्न हो होने की संभावना है। ग्राशा है सरकार त्रकाल कदम उठायेगी।

12.11 hrs.

[Mr. Deputy-Speaker in the Chair].

(iii) CONTINUOUS INCREASE IN THE PRICE OF VANASPATI GHEE.

प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत (चितोड़-गढ़): उपाध्यक्ष महोदय, मैं ग्रापकी ग्राज्ञा से नियम 377 के ग्रन्तर्गत निम्नलिखित विषय की ग्रोर सरकार का ध्यान दिलाना चाहती हूं।

्पभोक्ता वस्तुग्रों में वनस्पति घी के मूल्यों में चिन्ताजनक वृद्धि होती जा रही है। इस समय मूल्य सूचक ग्राफ निरन्तर ही बढ़ रहा है। ग्रभी हाल ही में 24 रु० प्रति दिन वृद्धि ग्रौर हुई। इससे ग्राम

जनता के दैनिक प्रयोग में चिकनाई का. स्थान रुखाई लेती जा रही है।

सरकार को ग्राम उपभोक्ताग्रों को राहत दिलाने के लिए वनस्पति उद्योगों को चेतावनी देनी चाहिए कि वह मूल्यों में कमी लावें। ग्राज स्थिति यह है कि ग्रायातित तेल जो राज्य ब्यापार निगम के द्वारा वनस्पति उद्योगों को वितरित किया जाताथा ग्रब कम हो गया है। इस**से** भी वनस्पति उद्योगों पर से सरकार का नियंत्रण कम हुग्रा है। मूल्य वृद्धि का कारण जमाखोरी भी है। कई व्यक्ति कृतिम ग्रभाव पैदा करने के लिए वनस्पति तेल को दबा लेते हैं। ऐसे जमाखोरों से सरकार शक्ति से निपटे। सरकार को खादा तेलों का बफर स्टाक भी बनाना चाहिए। ग्रच्छी फसल होने पर तथा ग्रायात करके जिससे ग्रन्छी फसल न होने पर भी नियन्त्रण रखा जा सकता है। वितरण प्रणाली को भी पुनः सक्षम बनाने की ग्रावश्यकता है ताकि ग्राम उपभोक्ताग्रों को राहत

(iv) BAN IMPOSED BY SAUDI GOVERNMENT ON HAJ PILGRIMS, ENTRY INTO SAUDI ARABIA BEFORE ID-UL-ZUHA

SHRI ZAINUL BASHER (Ghazipur): Sir, the Saudi Arabian Government have imposed a ban on the entry of Haj pilgrims before Id-Ul-Zuha. This has hurt the sentiments of a large number of Muslims all over the World including Indians. It is considered very auspicious in Islam to spend a month of Ramzan at the holy land of Prophet. I urge upon the Government to take up this matter with the Saudi Arabian Government to persuade them to allow the Haj pilgrims before Ramzan.

A large number of Indian Muslims prefer to go to the pilgrimage before Ramzan. If the ban by the Saudi Arabian Government continues, they will not be able to go there to spend their